# मैथिली

## प्रश्न-पत्र–II

## ( साहित्य )

निर्धारित समय : तीन घंटा | अधिकतम अंक : 250

**प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश**

**प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकैं सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ**

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि)मे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकैं अवश्य काटि दी।

# MAITHILI

## PAPER—II

## ( LITERATURE )

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

**Please read each of the following instructions carefully before attempting questions**

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

**SECTION—A**

1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि। काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) : 10×5=50

(a) ''अम्बरे वदन झपावह गोरि
राज सुनइ छिअ चान्दक चोरि।
घरे घरे पहरी गेल अछ जोहि
अबही दूषण लागत तोहि॥
कतए नुकाओब चान्दक चोरि
जतय नुकाओब ततहि उजोरि॥''

(b) ''नव-नव गुन-गन स्रवन-रसायन नयन-रसायन अंग।
रभस-सम्भाषन हृदय-रसायन परस-रसायन संग॥
ए सखि, रसमय अन्तर यार।''

(c) ''चक्र गदा कर सरसिज संख
देखि देवकी मन उपजल झंख
कह बसुदेव देवकी कर जोरि
कंस बाघ हम हरिनी खोरि
रूप चतुर्भुज दिअ हरि छाड़ी
नारद देत गए उकठी लाड़ी''

(d) ''कर्म करत के आन, सुरदुर्लभ हनुमान सन।
हित के अहँक समान, सजल-नयन रघुनाथ कह॥
अति साहसधर वीर, अविरल भक्तिक भवन अहँ।
पिता अहाँक समीर, जगत्प्राण-सुत उचित थिक॥''

(e) ''विष सन अवस्था, पहाड़ सन जीवन
संसारमे हमर के अछि अपन?
कानी तँ चुप कैनिहार क्यौ नहि
रूसी तँ बौंसनिहार क्यौ नहि
हम पड़ल छी टूटल पुल जकाँ
मौलैल, बिनु सूँघल फूल जकाँ''

2. (a) ''विद्यापतिक पदावलीमे भावक कोमलता, शब्दक लालित्य तथा लय-माधुर्यक प्राञ्जल प्रवाह अछि।'' पाठ्यांशक आधारपर एहि उक्तिकेँ सविस्तार प्रतिपादित करू। 20

(b) कवीश्वर चन्दा झा विरचित 'मिथिला-भाषा रामायण'क 'सुन्दर-काण्ड'मे वर्णित हनुमानक वीरता ओ पराक्रमक विवेचन करू। 15

(c) मनबोधक 'कृष्णजन्म' कृष्णकाव्य-परम्पराक सर्वोच्च उपलब्धि थिक—विश्लेषण करू। 15

3. *(a)* ''वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' श्रमशक्तिक पुजारी, व्यवस्थाक विरोधी, नवीन खाढ़ीक आवेशी आ सतत भ्रमणशील कवि छथि।'' एहि उक्तिक विवेचन 'चित्रा'क आधारपर करू। 20

*(b)* 'समकालीन मैथिली कविता'मे संकलित राजकमल चौधरीक 'अर्थतन्त्रक चक्रव्यूह' शीर्षक कवितामे निहित भावपर प्रकाश दिअ। 15

*(c)* 'कीचक-वध' महाकाव्यमे सूक्ष्म दृष्टिक संग वर्णन-विस्तार ओ प्राञ्जल भाषाक प्रयोग भेल अछि—विश्लेषण करू। 15

4. *(a)* 'दत्त-वत्ती' महाकाव्य—''व्यक्ति, समाज, राष्ट्र ओ अन्तर्राष्ट्रक वृहत्तर क्षितिजपर संगठित ई कृतिरत्न समग्र आधुनिक भारतीय भाषाक शिरोमुकुट थिक।'' पाठ्यांशक आधारपर एहि उक्तिकेँ सविस्तार पल्लवित करू। 20

*(b)* ''गोविन्ददासक काव्य शृंगारपरक होइतहुँ समष्टिरूपेँ भक्तिभावक अभिव्यक्ति थिक।'' पाठ्यांशक आधारपर एहि उक्तिक विवेचन करू। 15

*(c)* ''लालदास विरचित 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' मैथिली रामकाव्य-परम्पराक विकासमे बहुविध कारणेँ अत्यन्त महत्त्वपूर्ण अछि।'' 'बाल-काण्ड'क आधारपर लालदासक काव्य-सौष्ठवक विवेचन करू। 15

## SECTION—B

5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम *150* शब्दमे दातव्य) :
10×5=50

*(a)* ''पूर्णिमाक चान्द अमृत पूरल अइसन मुह।
श्वेत पङ्कजकाँ दल भ्रमर वसियल अइसन आँषि.
काजरक कल्लोल अइसन भऊह.
गथले फुले नर्म्मदाक शलाका पूजल अइसन षोम्पा.
परवाक पल्लव अइसन अधर.''

*(b)* ''संसारमे यैह देखबामे अबैत अछि जे 'जीवो जीवस्य भक्षणम्'। प्रकृतिक नियमे छैक जे छोटका जीवकेँ बड़का जीव खा जाइत छैक। इचनाकेँ पोठा, पोठाकेँ सौंरा, सौंराकेँ बोआर, बोआरकेँ तिमि, तिमिकेँ तिमिंगल .... यैह 'मत्स्य न्याय' सर्वत्र दृष्टिगोचर होइत अछि।''

*(c)* ''अहाँ सभ पुरुष छी ने ! निस्सहाय नारी जाति पर दया करबामे अहाँ सभ बड़ गौरवक अनुभव करैत छी। मुदा, हम स्त्री नहि छी, फूल भैया ! हम त' माटिक फूटलि हाँड़ी छी। हमरा पर दया करबाक कोनो प्रयोजन नहि। अहाँ जाउ ....''

*(d)* ''—जौं खर्चक तकलीफ हो त छौ कट्ठा डीह जे अहाँक नाम पर अछि से भरना धऽ कऽ काज चलायब। अहाँक चन्द्रहार जे बंधक पड़ल अछि से जहिया भगवानक कृपा हैतैन्ह तहिया छुटबे करत।''

*(e)* ''मोन नइ लगइ। मोनमे बसल रहइ गोरका चक्काबला कलपू। लाल-लाल ठोरबला कलपू। भरि दिन एकर मुह ताकऽबला कलपू। नीक-नीक वस्तुक उपहार देमए बाला कलपू। कहाँ देवदारु-सन ओ आ कहाँ खएरक कुबड़ाह गाछ-सन ई।''

6. (a) ज्योतिरीश्वर रचित 'वर्णरत्नाकर' मैथिली साहित्यक प्राचीनतम गद्य-ग्रन्थ थिक—एकर ऐतिहासिक महत्त्वक विश्लेषण पाठ्यांशक आधारपर करू। 20

(b) ''कवि राजकमलकेँ लोक बिसरि जाइत, मुदा कथाकार राजकमल मैथिली साहित्यक क्षेत्रमे अमर रहताह।'' एहि कथनक पल्लवन पाठ्यांशक आधारपर करू। 15

(c) ''खट्टर कका अपन भांगक तरंगमे चुटकी बजबैत उनटे गंगा बहा दैत छथि।'' 'खट्टर ककाक तरंग'क सन्दर्भमे एहि उक्तिक विवेचन करू। 15

7. (a) 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासक कथानक एकटा भूमिहीन आ निम्नवर्गीय ग्रामीण जीवनक परिवर्त्तनकेँ चित्रित करैत अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 20

(b) '''लोरिक विजय' उपन्यास लोक-संघर्षक गाथा थिक।'' एहि कथनक सार्थकता सिद्ध करू। 15

(c) 'भफाइत चाहक जिनगी'मे नाटककार शिक्षित बेरोजगार युवकक चारित्रिक सबलता, कर्मठता ओ संघर्षक चित्रण कएलनि अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 15

8. (a) ''मैथिली कथा समकालीन सामाजिक आओर आर्थिक विसंगतिपर विभिन्न तरहेँ चोट करैत अछि।'' पाठ्यपुस्तकक आधारपर एहि कथनक विवेचन करू। 20

(b) ''राजकमलक कथा मिथिलाक मध्यवर्गक ओहि समस्त संस्कार पर जमि क' प्रहार करैत अछि, जे ओकर आर्थिक-सामाजिक संघर्षमे बाधक थिकैक।'' एहि कथनक विवेचन पाठ्यांशक आधारपर करू। 15

(c) 'पृथ्वीपुत्र' उपन्यासमे सामाजिक जीवनक आर्थिक ओ भावनात्मक दूनू पक्षकेँ उजागर करैत ओकर समाधान सेहो देखाओल गेल अछि—सयुक्ति विवेचन करू। 15

★★★